आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 135 ● मुद्रण तारीख » 1 मार्च-2023 ● कुल पृष्ठ » 24

अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह– 2023

दिनांक : 9 अप्रैल, 2023, रविवार समय: शाम 6.30 बजे से

स्थान - गेट नं.-4, सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम, अगस्त क्रान्ति मार्ग, नई दिल्ली - 110049

मुख्य अतिथि
श्री अनुपम खेर
सिने जगत के
मशहूर अभिनेता

दुर्घटना में
अंग विहिन हो चुके
15 हजार दिव्यांगों को
कृत्रिम अंगों का उपहार
देकर अपने पैरों पर चलाने
का **लक्ष्य**

अवार्ड समारोह

संस्थान से अवार्डी बन्धुओं को बैच (रजिस्ट्रेशन पहचान) भिजवाया जायेगा, जिसे पहनकर पधारें, बैच से ही समारोह में प्रवेश हो सकेगा।

₹11 लाख

» आपश्री होंगे मुख्य अतिथि।
» आपश्री अनुपम खेर जी के साथ देंगे अवॉर्ड।
» मुख्य स्क्रीन पर दिखाया जाएगा आपश्री का नाम।
» आप सम्मानित होंगे प्लेटिनियम अवार्ड से।
» मंच पर होगा आपका सम्बोधन।
» दुर्घटनाग्रस्त से अंगविहिन हुए 221 जन को मिलेंगे कृत्रिम अंग।

₹5 लाख

» आपश्री का नाम कार्यक्रम की मुख्य स्क्रीन पर दिखाया जाएगा।
» आपको डायमण्ड अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।
» आपश्री के सहयोग से 101 दिव्यांगों को नारायण लिम्ब लगाए जाएंगे।

₹2 लाख

» आपश्री के सहयोग से 41 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पांव लगाए जाएंगे।
» आपश्री का नाम कार्यक्रम की मुख्य स्क्रीन पर दिखाया जाएगा।
» आपको गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

₹1 लाख

» आपश्री के सहयोग से 21 दिव्यांगों को कृत्रिम नारायण लिम्ब लगाए जाएंगे।
» आपको सिल्वर अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

विशेष अनुरोध » दिनांक 20 फरवरी, 2023 से 31 मार्च, 2023 तक सहयोग जमा कराने वाले ही अवार्डी बन सकेंगे। » उपस्थित न होने वाले अवार्डी अपना प्रतिनिधि भेज सकते हैं, यदि किसी कारणवश आपश्री या आपके प्रतिनिधि उपस्थित न होने की स्थिति में अवार्ड आपश्री के घर कॉरियर द्वारा प्रेषित किया जायेगा।
» संस्थान से अवार्डी बन्धुओं को बैच (रजिस्ट्रेशन पहचान) भिजवाया जायेगा, जिसे पहनकर पधारें, बैच से ही समारोह में प्रवेश हो सकेगा।

''स्वीकृति-पत्र''

मैं 9 अप्रैल, 2023 को आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय अवार्ड समारोह में ☐ प्लेटिनियम ☐ डायमण्ड ☐ गोल्ड ☐ सिल्वर अवार्ड के लिए अपनी सहमति देता /देती हूं। मैं ऑनलाइन, आरटीजीएस/यूपीआई/पेटीएम/एनईएफटी/चैक/डीडी..... ..... दिनांक.....के माध्यम से अपनी सहयोग राशि संस्थान को भेज रहा/रही हूं अथवा चुका/चुकी हूं। मेरी जानकारी:

नाम: ..... पता:.....

.....मो.:.....

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
narayanseva@sbi

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

+91 294 662 2222, | +91 7023509999

» 1 मार्च, 2023 » वर्ष 12 » अंक 135 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 24

सेवा सौभाग्य

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह रंग पर्व होली एवं नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

07

09

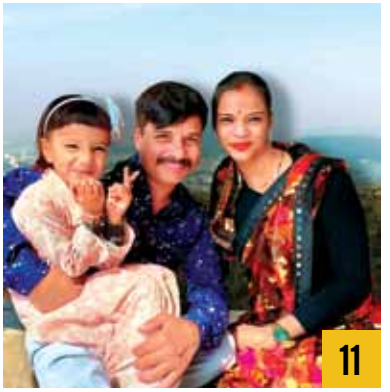
11

16

12

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 March, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

दुर्घटना के शिकार
दिव्यांगों के सपने लेंगे आकार

जन-जन में लोककल्याण की भावना जगाने के उद्देश्य से सेवा को मूल कर्त्तव्य मानकर गंभीर रोगियों को चिकित्सा लाभ देना, वृद्धजनों को सहारा देना, दिव्यांगों की शल्य चिकित्सा, सहायक उपकरण वितरण करना, निःशक्तजनों को स्वरोजगार हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण देना, आर्थिक समृद्धता के पश्चात इन दिव्यांग बन्धुओं को परिणय-सूत्र में बांधने हेतू सामूहिक विवाह का आयोजन करना, जैसे कार्य विगत 38 वर्षों से नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर आपश्री जैसे दानी सज्जनों के सहयोग से करता आ रहा है। आपके सतत् सहकार-अनुदान के लिए दिल से बहुत आभार।

हमारे देश में डायबीटीज, गेगरीन जैसी बीमारियों और हादसों में हर रोज हजारों की संख्या में लोग हाथ और पैर गंवा देते हैं। एक बड़ी आबादी दिव्यांगता के दंश की जिन्दगी जीने को मजबूर हो जाती है। इसलिये संस्थान ने अंगविहीन बन्धु-बहिनों को कृत्रिम अंग लगाने की मुहिम शुरू की है। संस्थान ने अब तक 36 हजार से ज्यादा दुर्घटना शिकार लोगों को कृत्रिम हाथ-पैर लगाएं हैं। विभिन्न राज्यों के करीब 15,545 बन्धु कृत्रिम अंग लगाने के लिए प्रतिक्षा रत हैं। कृपया इन दिव्यांग बन्धु-बहिनों की जिन्दगी सुगम बनाने के लिये इन्हें कृत्रिम हाथ-पैरों का उपहार दें।

ऋषि-मुनियों की सनातन परम्पराओं का अनुसरण करते हुए अपनी धनरूपी लक्ष्मी का सदुपयोग कर दुःखी दिव्यागों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिये.... सेवापथिक बनें श्रीमान। समाज के इस शुभ कार्य में सहयोग देने वाले दानवीरों का संस्थान दिनांक 9 अप्रैल, 2023 को दिल्ली में सिने जगत के मशहूर अभिनेता श्री अनुपम खेर के शुभ हाथों से सैकड़ों जन को सम्मानित करने जा रहा है। आपश्री सादर आमंत्रित हैं। सम्मान की इस वेला में भारत के विभिन्न हिस्सों से कई सेवा मनीषी पधारेंगे।

आशा करते हैं कि आपश्री इस समारोह में पधार कर इन गौरवशाली क्षणों के सहभागी बनेंगे। सादर धन्यवाद।

Agarwal

सेवक प्रशान्त भैया

आने वाले कल की चिंता क्यों?

एक नगर सेठ अपार धन-सम्पदा का स्वामी था। एक दिन उसे अपनी सम्पत्ति के मूल्य निर्धारण की ईच्छा हुई। सप्ताह भर बाद कोषाधिकारी ब्यौरा लेकर उपस्थित हुआ। उसने सेठ को बताया कि 'मोटे तौर पर कहूं तो आपकी 6-7 पीढ़ियों को कुछ भी श्रम की जरूरत नहीं पड़ेगी। वे बिना कुछ किये-धरे आनंद पूर्वक जीवन जी सकेंगे। सेठ यह सुनते ही अपनी आठवीं पीढ़ी के भविष्य को लेकर चिन्तित हो गए। उन्हें रात-दिन चिंता सताने लगी कि आठवीं पीढ़ी को कष्टदायी जीवन जीना पड़ेगा। इस दुःख में खाया-पीया कुछ भी तन को नहीं लग रहा था। कुछ ही दिनों में वे कृशकाय हो गए। परिवार-दरबारी सभी चिंतित, लेकिन सेठ ने किसी को अपनी इस हालत का कारण नहीं बताया। निकटवर्ती गांव के एक महात्मा के पास पत्नी लेकर गई। संत ने सेठ से अकेले में बात कर समस्या को समझा। महात्मा ने बताया कि तुम्हारी चिंता का निवारण तो बहुत आसान है। बस्ती के बाहर एक कुटिया में अकेली बुढ़िया रहती है। उसके न कमाने वाला कोई है और न ही वह कुछ कर पाने में समर्थ है।

उसे जाकर मात्र आधा सेर आटा दे दो, तुम्हारी चिंता दूर होने का उपाय मिल जाएगा। यदि वह आटा ले लेती है तो तुम्हें इतना पुण्य मिलेगा कि उसके प्रभाव से आठवीं तो क्या उसके आगे की भी किसी पीढ़ी की चिंता नहीं रहेगी। सेठ आधा सेर की बजाय पूरी बोरी आटा बैलगाड़ी में लाद कर बुढ़िया की कुटिया पहुंचा और कहा यह आपके लिए है, स्वीकार कीजिए। बूढ़ी मां ने कहा क्या करूंगी रखकर, अभी आवश्यकता नहीं है। सेठ ने बहुत प्रार्थना की पर उसने आटा नहीं लिया। तब सेठ ने कहा-'अच्छा आधा सेर ही ले लीजिए।'बूढ़ी मां ने कहा बेटा आज चाहिए जितना आधा सेर तो मेरे पास मौजूद है। क्या करूंगी और लेकर। सेठ ने कहा-'तो इसे कल के लिए रख लीजिए।'बूढ़ी मां बोली-'बेटा! कल की चिंता मैं आज क्यों करूं, जैसा हमेशा से प्रबंध होता रहा है, वैसा कल भी हो ही जाएगा।' यह सुनते ही सेठ की आंखें खुल गई। बूढ़ी मां को कल की चिंता नहीं है और मैं अपार धन के बावजूद पीढ़ियों की चिंता में डूब अपना आज खराब कर रहा हूं। उसने तत्काल दीन-दुखियों, पीड़ितों के लिए अपनी हवेली के द्वार खोल दिए और जरूरतमंदों की सेवा कर उसे बहुत खुशी मिली। उसकी प्रसन्नता ने उसे पुनः स्वस्थ कर दिया।

पू. कैलाश 'मानव'

मनुष्य को अपना जीवन सार्थक बनाने की दिशा में ज्यादा चिंतनशील रहना चाहिए न कि धन-सम्पदा उसकी चिंता का कारण बननी चाहिए। जीवन एक छोटी सी कहानी है, उसे सार्थक व प्रेरक बनाने के लिए सेवा के अलावा और कोई भी मार्ग श्रेष्ठ नहीं है।

होली के रंग अपनों के संग

07 मार्च को होलिका दहन
8 मार्च को धुलेंडी

होली के त्योहार को रंगों का पर्व कहा जाता है । इस बार धुलेंडी प्रतिपदा 08 मार्च 2023, को मनाई जाएगी। होली से 08 दिन पहले होलाष्टक प्रारम्भ हो जाता है । इस बार होलाष्टक 28 फरवरी से शुरू हो चुका है। वहीं 07 मार्च 2023 मंगलवार को होलिका दहन किया जाएगा। सनातन धर्म में फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि को होली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

होलिका दहन में किसी पेड़ की लम्बी सूखी शाखा को जमीन में रोपकर उसे चारों तरफ से लकड़ी, कंडे या उपले से ढक दिया जाता है। इन सारी चीजों को शुभ मुहूर्त में जलाया जाता है। इसमें छेद वाले गोबर के उपले, गेंहू की नई बालियां और उबटन डाले जाते हैं।ऐसी मान्यता है कि इससे साल भर व्यक्ति को आरोग्य की प्राप्ति होती है और सारी बुरी बलाएं इस अग्नि में भस्म हो जाती हैं। होलिका दहन पर लकड़ी की राख को घर में लाकर उससे तिलक करने की परंपरा भी है।

संस्थान में सम्पूर्ण भारत से दिव्यांगजन एक ही छत के नीचे होली का त्योहार मनाएंगे। ऑपरेशन के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे इन बंधु-बहिनों को खुशियों से भरपूर होली मनाने में मदद कर आप भी सार्थक होली मनाएं।

नवरात्रि नव जीवन की ओर

श्रद्धा और भक्ति से भरे मां दुर्गा के भक्तों को हर साल चैत्र नवरात्रि का बेसब्री से इंतजार रहता है। जगत जननी माँ दुर्गा के 9 रूपों की आराधना का ये समय हिंदू धर्म में काफी पवित्र और खास माना गया है। इस साल 22 मार्च 2023 को चैत्र प्रतिपदा से नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। इसी दिन घटस्थापना की जाएगी। 30 मार्च को रामनवमी के दिन नवरात्रि की पूर्णाहुति हो जाएगी। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत होती है। माना जाता है कि नवरात्रि में पूरे मन से देवी दुर्गा की पूजा.आराधना करने से माता अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाती हैं।इस अवसर का लाभ जरूर उठाना चाहिए।

इस बार चैत्र नवरात्रि पर ग्रह नक्षत्रों का भी दुर्लभ संयोग बन रहा है। चैत्र नवरात्रि के दौरान शनि और मंगल मकर राशि में रहेंगे। शनि की राशि मकर में शनि मंगल की युति पराक्रम बढ़ाने वाला रहेगा। इसके अलावा इन 9 दिनों में रवि पुष्य नक्षत्र के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग भी बनेंगे। जिससे नवरात्रि की शुभता और भी बढ़ जाएगी। इस दौरान किए गए शुभ कार्य सफलता दिलाएंगे। साथ ही हर मनोकामना पूरी होगी। वहीं गुरु और शुक्र कुंभ राशि में होंगे। मीन में सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग बनेगा। मेष राशि के चंद्रमा, वृषभ में राहु, वृश्चिक में केतु विराजमान रहेंगे।

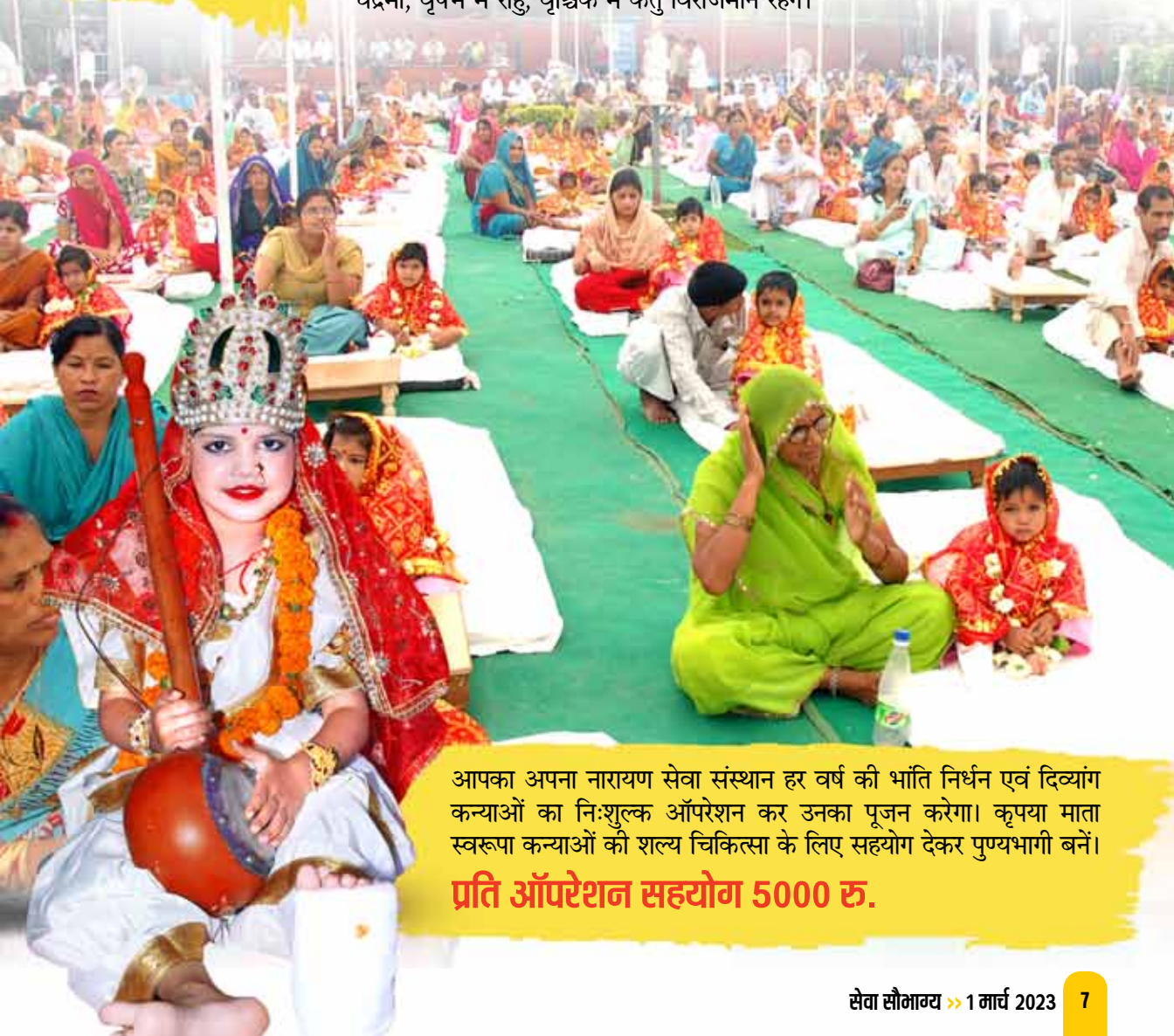

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान हर वर्ष की भांति निर्धन एवं दिव्यांग कन्याओं का निःशुल्क ऑपरेशन कर उनका पूजन करेगा। कृपया माता स्वरूपा कन्याओं की शल्य चिकित्सा के लिए सहयोग देकर पुण्यभागी बनें।

प्रति ऑपरेशन सहयोग 5000 रु.

बुजुर्ग सोच बदलेंगे तो लोग बदलेंगे

कुछ अभिभावकों को यह पंसद नहीं कि उनके बच्चे दादा-दादी के साथ अधिक समय बिताएं। नतीजतन इन परिवारों के बुर्जुग मन ही मन शिकायत से भर उठते हैं। माना कि घर के बुर्जुर्गो का साथ बच्चों के विकास के लिए अच्छा होता है। बच्चों का उनके पास न आना क्या शिकायत वाली ही बात है? हरगिज नहीं।

प्रायः वृद्धजन को यह शिकायत रहती है कि मैं रिटायर हो गया हूं। बेटा-बहू, पोते-पोती को हमसे दूर रखते हैं। हम बच्चों के साथ अधिक समय बिताना चाहते हैं पर वे स्कूल के अलावा अपनी हॉबी क्लासेज में सदा व्यस्त रहते हैं। हमें बहुत अकेलापन महसूस होता है।

परिवार के सदस्यों व बच्चों के साथ हंसी-खुशी में वक्त बिताना वृद्धजन की जरूरत है और उनके रिटायरमेंट के बाद तो ये ज्यादा हो जाती है। पर ये भी वास्तविकता है कि संसार हमारी जरूरतों से नहीं चलता और बदलते वक्त के साथ दूसरा व्यक्ति अपनी बदलती जरूरतों के हिसाब से चलने की कोशिश कर रहा होता है। वृद्धजन को स्वयं से पूछना है कि क्या वे बच्चों को उनकी जरूरतों के मुताबिक चलने देना चाहते हैं या उनको अपनी जरूरतों के मुताबिक चलाना ? आज की मांग है कि बच्चा सर्व कलाएं सीखे, सो बेटा-बहू वहीं कर रहे हैं, ताकि आपके पोते-पोती एक बेहतर जीवन पा सकें। यह उनका सर्वोपरि कर्तव्य है। आपने भी अपने बच्चों के लिए यही किया होगा। अब यह भी बताइए कि आपने पोते-पोतियों को अपने करीब लाने के लिए खुद क्या किया है? उनकी पंसद-नापंसद आपको कितनी पंसद या नापंसद है, इस तालमेल पर भी गौर करिए। सुखी अस्तित्व की कुंजी सहअस्तित्व है। जो समझदार होते हैं, वे दूसरों की जरूरतों को समझकर उनके मुताबिक खुद की जरूरतों को भी उसमें जोड़कर साथ-साथ खुश रहने की योजना बनाते हैं। स्वयं को वक्त के साथ बदलेंगे नहीं, नयी-नयी चीजें सीखेंगे नहीं, तो आपके पास पोते-पोते आएंगे कैसे और कैसे उन्हें आप अपने अनुभवों से भविष्य के लिए सीख दे पाएंगे ?

स्वयं को थोड़ा आधुनिक बनाइए, अब वक्त मिला है उसका भी मजा लीजिए। हल्के व्यायाम, म्यूजिक, दोस्तों वगैरह का ग्रुप कितना कुछ है करने और जानने को। सीखिए, खुश रहिए। बेटा-बहू को दोष देना छोड़िए। पोते-पोतियों के बेहतर भविष्य में योगदान देकर खुद खुशियों की झोली भरिए।

उपचार देख यकीन हो गया कि यही मानवता का असली मंदिर है। संस्थान ने 5 अक्टूंबर 2022 में दोनों पांवों का माप ले 9 अक्टूंबर को विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर पहनाएं।

मैने कभी सोचा नही था कि मैं फिर से चल पाऊंगा लेकिन संस्थान ने मुझे निःशुल्क कृत्रिम पांवों के सहारे खड़ा कर चलने लायक बना दिया।

मंजिल की ओर बढ़ चले कृत्रिम पांव

तीन साल पहले कार हादसे में पांवों की नसें ब्लाक होने से रक्त का संचार बंद हो गया। उपचार के दो माह बाद अचानक गेगरीन रोग के जकड़ने पर दोनों पांवों को कटवाना पड़ा। यह दुःख भरी कहानी है, हिमाचल प्रदेश निवासी राकेश कुमार (37) की।

टेक्सी चलाकर परिवार के पांच सदस्यों की गृहस्थी की गाड़ी को राकेश खुशी से खींचते जीवन व्यतीत कर रहे थे कि 2020 में एक कार हादसे ने परिवार को इलाज हेतू दर-दर भटकने को मजबूर कर दिया। जहां भी जाते वहां 2 से 3 लाख का खर्च बताते जो बूते से बाहर था, काम-काज के छूट जाने से इतना धन जुटा पाना नामुमकिन भी था। उपचार में काफी खर्च से परिवार की माली हालत बहुत ही खराब हो गई । इसी बीच टीवी और परिचित से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क उपचार व सेवा कार्यों की जानकारी मिली तो विश्वास नही हुआ कि आज के समय में कौन बेहद खर्चीला उपचार निःशुल्क कर सकता है? परन्तु संस्थान आने पर दिव्यांगों की सेवा और

ऐसे असंख्य दिव्यांगों को पैरों पर खड़ा करने में करें मदद

संस्थान मानव सेवा का पवित्र मन्दिर-रमादेवी

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की संसदीय स्थायी समिति ने नारायण सेवा सराही

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संबंधी संसदीय स्थायी समिति के 21 सदस्यों ने उदयपुर दौरे के दौरान 17 जनवरी को हिरण मगरी सेक्टर - 4 स्थित संस्थान के मानव मंदिर में दिव्यांगजन के सेवाकार्यों का अवलोकन किया। संसदीय स्थायी समिति की चैयरपर्सन एवं शिवहर (बिहार) की सांसद श्रीमती रमादेवी ने सेवा प्रकल्पों की जानकारी लेते हुए कहा कि मैं इन सेवाओं और साधकों की प्रतिबद्धता को देख अभिभूत हूँ। सचमुच संस्थान मानव सेवा का पवित्र मंदिर है। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत भैया ने संसदीय समिति को विजिट करवाते हुए उन्हें संस्थान की 38 वर्ष की सेवा यात्रा और वर्तमान में संचालित दिव्यांगों के लिए पुनर्वास, ऑपरेशन, कृत्रिम अंग व कैलिपर्स - वितरण, भोजन, मोबाइल, कंप्यूटर, सिलाई और हस्तशिल्प आदि स्वावलम्बन प्रशिक्षण प्रकल्पों की जानकारी दी। संस्थापक गुरूदेव श्री कैलाश जी मानव एवं निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने समिति के सदस्यों सर्वश्री संगीता आजाद, रंजीता कोली, सुमित्रा बाल्मिक,भोलानाथ,अक्षयबर लाल, प्रमीला बिसोई,ममता मोहन्ता,रामजी, वाई देवेंद्रप्पा, नारायण कराप्पा और भारत सरकार के सचिव अनिल भट्ट पंडा व निदेशक ममता केमवालका का पगड़ी, दुप्पट्टा पहना कर स्वागत - अभिनंदन किया। संस्थान में स्वास्थ्य लाभ ले रहे बिहार,यूपी, पंजाब, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के दिव्यांगों से समिति सदस्यों ने बातचीत कर उनकी पीड़ा और उपचार के अनुभव जाने। संयोजन रजत गौड़ ने किया।

ममता और दिनेश के आंगन में बेटी बिखेर रही खुशियाँ

आपश्री के सहयोग से संस्थान का 39वां विवाह समारोह 25-26 फरवरी को उदयपुर में सम्पन्न हुआ। आपका प्रेम, स्नेह मिलता रहे इसी आशा के साथ...

सेमारी (खेरवाड़ा) निवासी दोनों पांवों से असक्षम ममता के पांवों का **सफल ऑपरेशन 5 साल** पहले संस्थान में हुआ। जिसके बाद संस्थान के **सामूहिक विवाह** में दिव्यांग दिनेश के संग फेरे लेकर वैवाहिक जीवन शुरू किया था। दोनों की शादी के करीब 4 साल पूर्ण हो चुके हैं। 3 साल की एक बेटी इनके आंगन में खुशियाँ बिखेर रही हैं। दिव्यांग दिनेश एक प्राइवेट स्कूल में टीचर है तो ममता गृहिणी। संस्थान ने ममता को कम्प्यूटर कोर्स करवाकर उन्हें हुनरमंद बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। उम्मीद है कि ममता और दिनेश के सामाजिक और आर्थिक रूप से सक्षम होने से इनकी बेटी का भविष्य सुखद बन सकेगा।

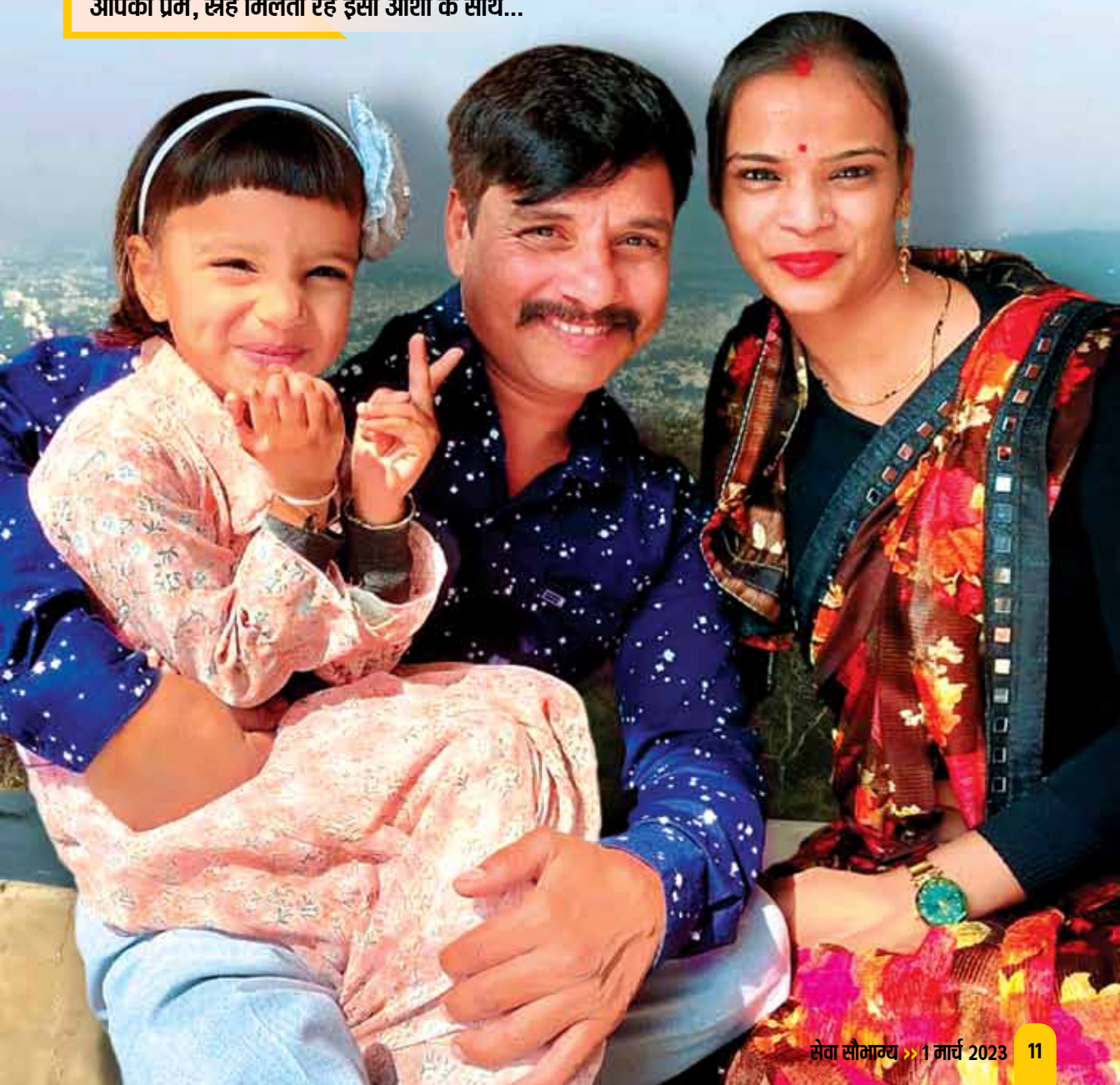

सवा लाख दिव्यांगों को मिलेगा सहारा

हैदराबाद के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन

नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दिव्यांगों के जीवन यापन में सुधार के लिए हैदराबाद स्थित, इस्लामिया बाजार में 30 जनवरी को अपने पुराने भवन के नवीनीकरण और नव सेवा संकल्पों के साथ लीलावती राठी मानव मंदिर केंद्र शुरू किया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री कमल नारायण जी राठी, जैन रत्न सुरेंद्र जी लूणिया, संपतमल जी कोठारी, संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, रमेश जी गोयल और टीआरएस नेता गडेकम श्रीनिवास जी मौजूद थे। समारोह में प्रशांत भैया ने बताया कि 4 जनवरी 2004 से राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के दीन-दुखियों और दिव्यांगों को संस्थान हैदराबाद में आवश्यक मदद पहुंचा रहा है।

सिलाई प्रशिक्षण

संस्थान ने पुरानी बिल्डिंग का रिनोवेशन कर दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। इस भवन में दिव्यांगों को फिजियोथेरेपी, कृत्रिम हाथ-पैर और कैलिपर्स लगाने के अलावा उन्हें अपने परिवार का भरण पोषण करने लायक बनाने के लिए 45 दिवसीय, मोबाइल, 60 दिवसीय, कम्प्यूटर एवं 90 दिवसीय सिलाई प्रशिक्षण दिया जाएगा। संस्थान ने अब तक लगभग 5000 दिव्यांगों को प्रशिक्षण देकर दिव्यांगता के बोझ से उबार कर उन्हें खुशहाल जिन्दगी का अवसर प्रदान किया है।

इस सेवा केंद्र के सुचारू संचालन के लिए संस्थान की 15 सदस्यीय टीम नियुक्त की गई है। आगामी 5 वर्षों में सवा लाख लोगों को राहत पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पूर्व कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का शाखा संयोजक श्रीमती अलका जी जैन व श्री अभय जी जैन ने शॉल, साफा, प्रतीक चिन्ह से अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि श्री राठी ने कहा कि संस्थान की सेवाएं वंदनीय हैं। विवश और वंचित जन को समाज की मुख्यधारा में लाने की इस मुहीम की जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

कृत्रिम अंग कार्यशाला

मोबाईल रिपेयरिंग

वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने देखी नारायण सेवा

समाज कल्याण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारी अपने उदयपुर प्रवास के दौरान 23 जनवरी को संस्थान में दिव्यांगों के लिए की जा रही निःशुल्क सेवाओं का अवलोकन कर अभिभूत हुए।

वैश्य महासम्मेलन राजस्थान इकाई के अध्यक्ष डॉ. एन.के.गुप्ता, महामंत्री श्री गोपाल गुप्ता और समाजसेवी श्री सुरजाराम ने दिव्यांगों के सेवार्थ 101 ऑपरेशन शिविर का उद्घाटन किया। निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल और सुश्री पलक अग्रवाल के माध्यम से उन्होंने कैलिपर्स व कृत्रिम अंग वर्कशॉप, स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र की सेवा से लाभान्वित हुए दिव्यांगों के अनुभव भी जाने। वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने रोगियों को फल वितरण किया और कहा कि संस्थान की सेवाएं देख हमें अतीव प्रसन्नता हुई। इसमें सहभागी बनेंगे।

सेवा के पर्यायः श्री सूरजमल जी अग्रवाल, दीपका

समाज के दुखी एवं पीड़ित वर्ग की सेवा में अहर्निश समर्पित समाज सेवियों में दीपका व्यापार संघ - कोरबा (छत्तीसगढ़) के संस्थापक -संरक्षक एवं बालाजी जनरल स्टोर के स्वामी श्री सूरजमल जी अग्रवाल का शुभनाम उल्लेखनीय है। वे ऐसे मौन सेवक हैं जो एक हाथ से की गई सेवा का दूसरे हाथ को भी पता नहीं लगने देते। यही वजह है कि कोरबा के उद्यमी-व्यापारी समुदाय में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण समाज में आपको श्रद्धा व आदर प्राप्त है। आपने व परिवार ने अपने क्षेत्र में ही नहीं अन्यत्र भी सामाजिक एवं जरुरतमंदों के सेवाकार्यों में सदैव बढ़- चढ़कर दायित्व का निर्वाह किया। श्री अग्रवाल जी का नारायण सेवा संस्थान को इसकी स्थापना के प्रारंभिक वर्षो से ही सहयोग व आशीर्वाद प्राप्त है। निःशक्तजन को अपने पांवों पर खड़ा करने के संस्थान के निःशुल्क ऑपरेशन एवं दवा सहयोग प्रकल्प में आप द्वारा प्रदत्त सहयोग उल्लेखनीय है। आपश्री संस्थान के माध्यम से अब तक 1000 से अधिक पूर्व पोलियो ग्रस्त बच्चों, किशोर-किशोरियों के ऑपरेशन करवाकर उन्हें पांवों पर खड़ा करने में अग्रणी रहे हैं, उन्हीं निःशक्तजन की दुआओं का परिणाम है कि आपका परिवार पूर्णतः सुखी है, आप स्वस्थ हैं और व्यापार में उन्नति होती रही है। संस्थान आपके व परिवार के आरोग्य व समृद्धि की कामना करता है।

कड़कड़ाती ठंड में राहत के पल

निदेशक वंदना अग्रवाल की टीम जिला शिक्षा अधिकारी के सहयोग से सरकारी स्कूलों के बच्चों, गरीब आदिवासियों व बेघर लोगों को पिछले 45 दिनों से ऊनी कपड़े बांट रही है। संस्थान ने गिर्वा, झाड़ोल, गोगुन्दा तहसील क्षेत्रों में जाकर लोगों को राहत पहुंचाई तथा बढ़ती हुई सर्दी में इस मुहीम को और तेज व नियमित किया गया।

सुगम हुई जिंदगी की राह...

संस्थान के तत्वावधान में भामाशाहों/सामाजिक सरोकार की संस्थाओं के सहयोग से जनवरी में दिव्यांग जन के सशक्तिकरण के लिए देश के नगरों-महानगरों में शिविर आयोजित किए गए। जिन्हें वरिष्ठ जन प्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।

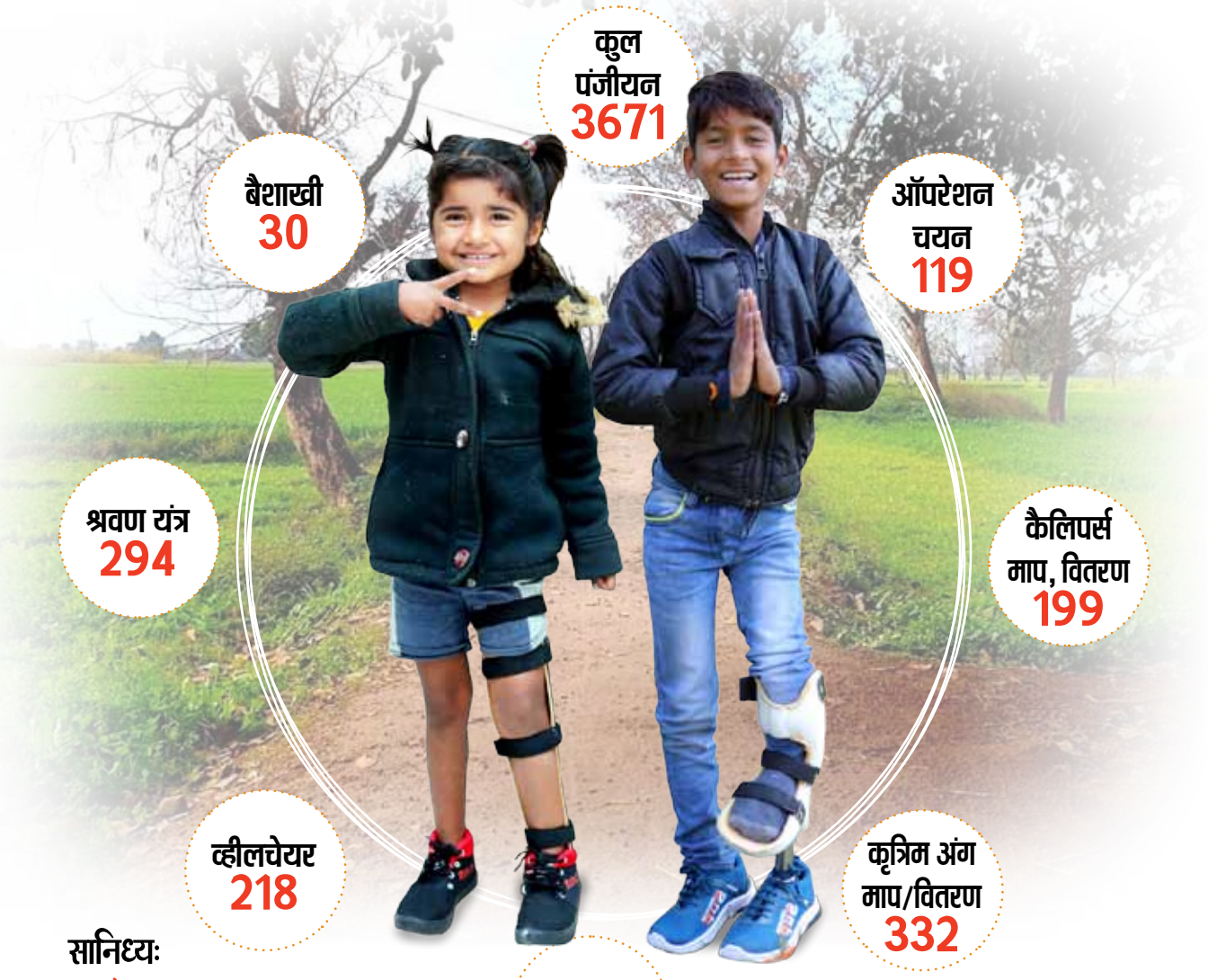

सानिध्यः

जालौर डॉ. हर्षवर्धन अग्रवाल, श्री मोहन पाराशर, श्री विजय मोदी। **जयपुर** श्री कालीचरण सराफ, श्री राजकुमार गुप्ता, श्री कन्हैयालाल सावनसुखा, श्री ध्रुवदास अग्रवाल, श्री गोपाल गुप्ता। **उदयपुर** श्री ताराचंद मीणा, श्री कैलाश जी मानव, श्री मानधाता सिंह, श्रीमती कमला देवी जी। **डूंगरपुर** श्री शंकर यादव, श्री ताराचंद भगोरा, श्री लक्ष्मी नारायण।

बाड़मेर श्री लोकबंधु, श्री मेवाराम जैन, श्री नरपत सिंह। **बालोतरा** श्रीमती सुमित्रा जैन, श्री सुरेश गोयल, श्री मदन प्रजापत। **अहमदाबाद** श्री मुरली गोलानी, श्री रमेश भाई, श्री संतोष भाग्या। **नागौर** श्री राजेन्द्र यादव, श्री भगीरथ चौधरी, श्री सुरेश राठी। **सुमेरपुर** श्री जोराराम प्रजापति, श्री हरिसिंह देवल, श्रीमती उषा कंवर ।

भक्ति की महिमा

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

झीनी-झीनी रोशनी-46

वह छोटा था तब अपने माता-पिता के साथ भीण्डर में रहता था। तब एक रामाजी कुम्हार हुआ करते थे। कैलाश के पिता ने बताया कि इसके रोम-रोम से राम निकलता है। कैलाश को अपने पिता की बात पर यकीन नहीं हुआ तो उसने स्वयं वास्तविकता जानने की कोशिश की। गांव के भीण्डरेश्वर महादेव में दर्शन करने सभी जाते थे। रामाजी कुम्हार भी यहां आते थे। कैलाश भी अपने पिता के साथ इस मन्दिर में जाता था। एक दिन कैलाश रामाजी के पास बैठ गया और सुनने की कोशिश करने लगा कि उनके शरीर से राम-राम की आवाज आती है या नहीं। आरती होने लगी, सभी खड़े हो गये तो कैलाश भी रामाजी से चिपक कर खड़ा हो गया। झालर-घन्टों की ध्वनि और आरती के साथ घन्टियों की मधुर स्वर लहरी के बीच ही कैलाश को कहीं से राम-राम के मद्धिम स्वर की आवाज भी आई। आज अस्पताल में इस वृद्ध मरीज के सीता-राम बोलने के उत्साह के साथ ही कैलाश सोचने लगा कि यह उसके बाल मन का भ्रम था या रामाजी में सचमुच कोई ऐसा करिश्माई व्यक्तित्व था। जो भी हो भक्ति की महिमा निराली ही है।

सेवा और नौकरी के बीच कैलाश का समय यूंही व्यतीत होता रहा। सेवा के पथ पर तो वह बहुत आगे बढ़ गया था मगर नौकरी वहीं की वहीं थी। नौकरी में भी वह आगे बढ़ना चाहता था। पोस्ट ऑफिस की सेवा में प्रगति के लिये विभिन्न तरह की परीक्षाएं थीं। उसने पोर्म्स एकाउन्ट परीक्षा पास कर प्रगति की ही थी, एक अन्य परीक्षा आईपीओ - इन्सपेक्टर ऑफ पोस्ट ऑफिस भी होती थी। कैलाश की अब यह परीक्षा पास करने की इच्छा जागृत हो गई। यह प्रतियोगी परीक्षा थी जिसके लिये काफी मेहनत करनी पड़ती था। कैलाश कुछ अनुभवी लोगों से मिला और इस परीक्षा के बारे में पूछा। सबने यही बताया कि इस परीक्षा को पास करने के 6 अवसर मिलते हैं। सामान्य चौथे - पांचवें मौके में प्रतियोगी पास हो ही जाता है। यह सुन किसी भी प्रतियोगी का प्रसन्न हो जाना स्वाभाविक है मगर कैलाश की गंभीर मुख मुद्रा देख उसका साथी आश्चर्यचकित रह गया। कैलाश से इसका कारण पूछा तो उसने बताया कि अन्य लोगों के लिये भले ही 6 अवसर हों, मगर मेरे लिये तो एक ही अवसर है, इसी में उत्तीर्ण करना जरूरी है। कैलाश की बात सुनकर उसका साथी अवाक् रह गया मगर अगले ही क्षण व्यंग्य करता हुआ बोला-क्यूं भाई? क्या तुम्हारे लिये नियम अलग हैं जो तुम्हें एक ही अवसर मिलेगा। कैलाश ने उसके कटाक्ष का बुरा नहीं मानते हुए अपनी मजबूरी बताई कि क्यूं, उसके लिये परीक्षा एक ही अवसर में उत्तीर्ण करना आवश्यक है। छोटा सा घर है, पढ़ने बैठता हूं तो पत्नी सब काम छोड़ कर बच्चों को चुप कराने में लग जाती है।

क्रमशः

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

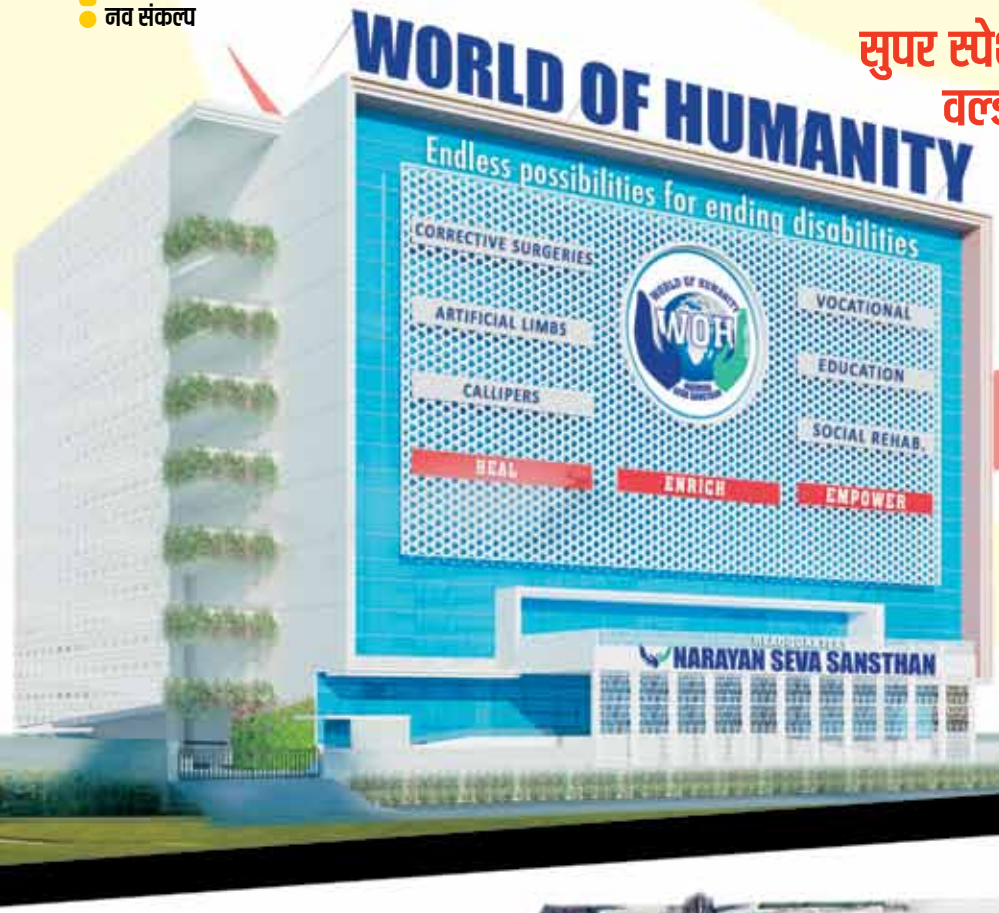

450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल

नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

सन् 2023 में सेवा कार्यों का लक्ष्य

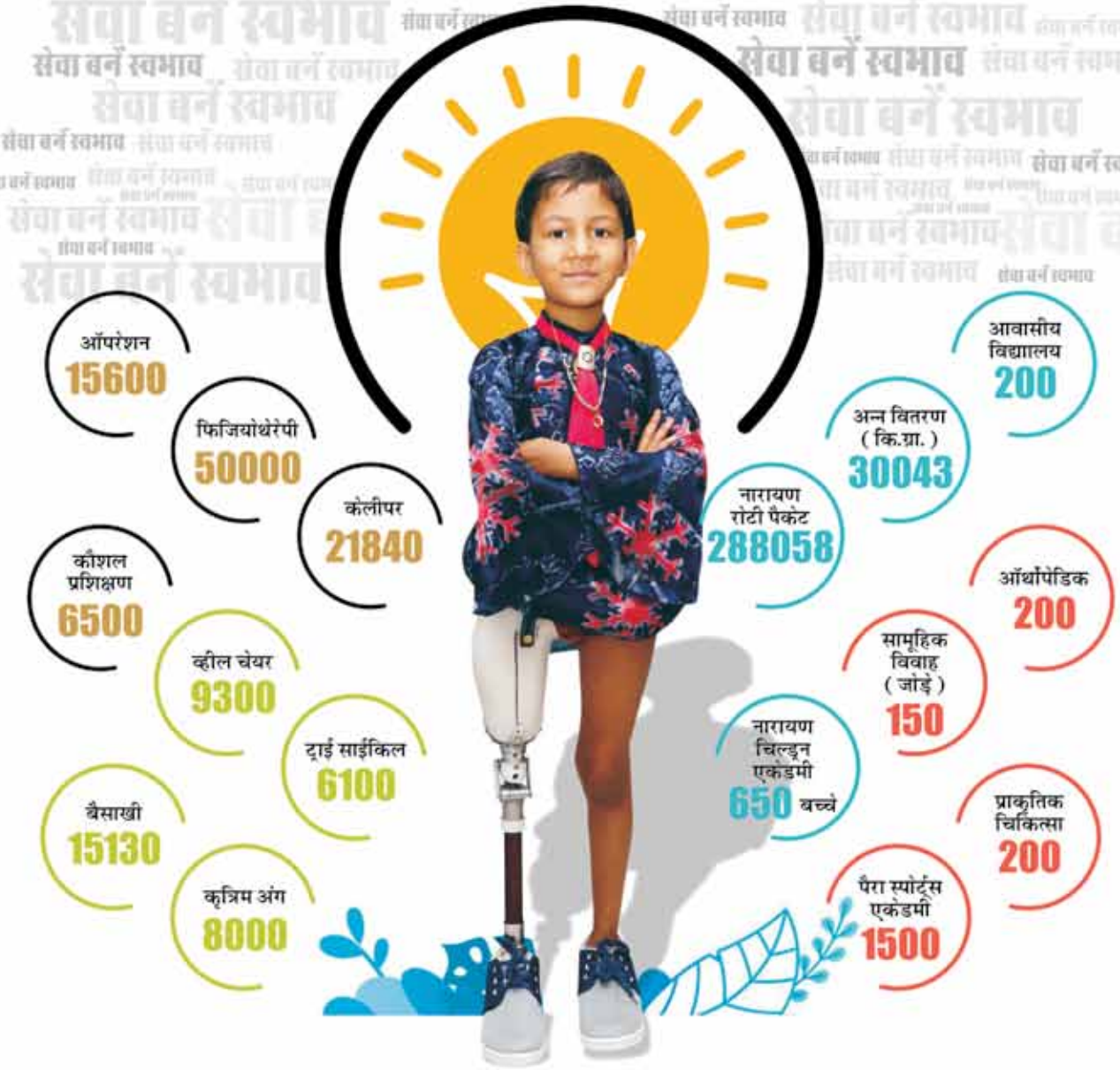

संस्थान अपने सेवा कार्यों का विस्तार करने जा रहा है-जिसमें आपकी भागीदारी आवश्यक है।

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणोश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395
551/च/157 नियर कोला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोडिया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद
मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कैलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	10,000/-	30,000/-	50,000/-	1,10,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री एवं श्रीमती संतोष जैन
चण्डीगढ़

स्व. श्रीमती सुशीला रानी चौपड़ा,श्रीमती सुषमा कक्कड़, श्रीमती हिरेन देवी सहगल
अम्बाला सिटी (हरियाणा)

स्व. श्री गुरू नारायन गुप्ता मुंशी जी,
एत्मादपुर
आगरा (उ.प्र.)

ऑल्ड मेमोरीः कपूर एवं कक्कड़ परिवार
अम्बाला सिटी (हरियाणा)

निर्मला हरियाणा मण्डल
न्यू नेवी नगर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

श्रद्धांजलि

नारायण सेवा संस्थान शाखा शेगांव - बुलढाणा (महाराष्ट्र) के संयोजक श्रीमान नंदलाल जी श्री किशन जी मुंधडा का आकस्मिक निधन दिनांक 20/01/2023 को हो गया। वे संस्थान के सम्मानित शाखा संयोजक के साथ-साथ बहुत बड़े दानवीर भी थे। उनके मन में दिव्यांगों के प्रति बहुत सेवा भाव था। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी मानव एवं सेवक प्रशान्त भैया ने आदरणीय श्रीमान नंदलाल जी किशन जी मुंधडा को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि वे पीड़ित व दीन- दुःखियों के सम्बल थे। उन्होंने ईश्वर से स्वर्गस्थ आत्मा की शान्ति एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की। वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गये हैं।

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

अभी बुक करें

प्रकृति ही हमारी सच्ची स्वास्थ्य रक्षक है

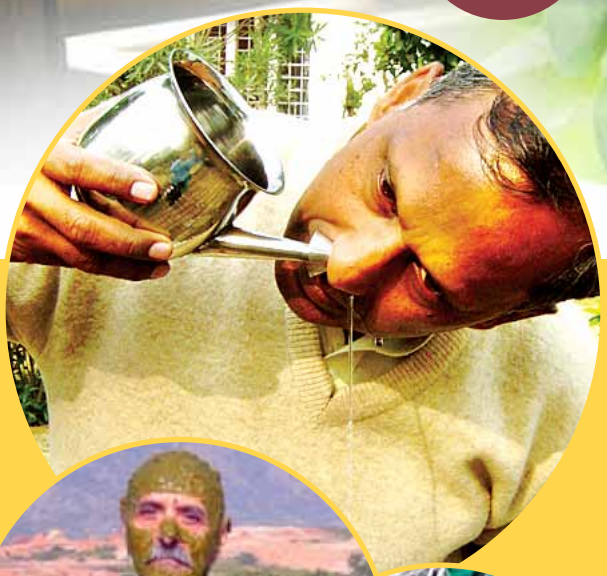

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज ।

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाएगी।

» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

सम्पर्क करें :
+91-294-6622222, 7023509999

»»»» नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंच्कर थेरेपी भी उपलब्ध है।

अब रूकेंगे नहीं

चलेंगे अपनों के संग

अंकल अब मैं
भी चलने लगा...
धन्यवाद आपका

1 कृत्रिम
अंग सहयोग
5000 रू.

Donate Now

हर माह संस्थान के माध्यम से होने वाले शिविरों में दिव्यांगों को हजारों की संख्या में निःशुल्क कृत्रिम अंग वितरित किए जा रहे हैं। आपश्री से प्रार्थना है कि आपका अमूल्य सहयोग अंगविहीन भाई-बहिनों को मिले जो जीवन में हताश हैं...

Seva Soubhagya, Print Date 1 March, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-